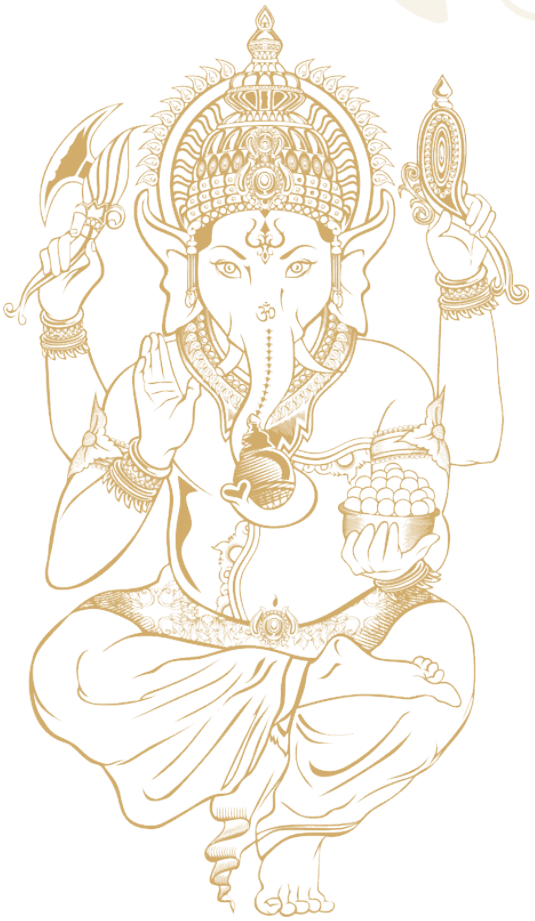

Ms.

02 Mar 2026

03:04 AM

Bulandshahr

Model: web-freekundliweb

Order No: 121536206

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**1-02/03/2026**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**03:04:00 घंटे**
इष्ट	50:49:30 घटी
स्थान	**Bulandshahr**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:30:00 उत्तर
रेखांश	77:49:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:45:16 घंटे
वेलान्तर	-00:12:21 घंटे
साम्पातिक काल	13:24:04 घंटे
सूर्योदय	06:44:11 घंटे
सूर्यास्त	18:18:24 घंटे
दिनमान	11:34:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	17:05:00 कुम्भ
लग्न के अंश	12:41:03 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	अतिगण्ड
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डो-डौली
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	12:41:03	343:17:39	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			कुंभ	17:05:00	01:00:12	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	27:16:24	13:40:57	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	स्वराशि
मंगल		अ	कुंभ	05:13:39	00:47:17	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	27:18:22	00:33:18	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:00:10	00:01:49	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	00:06:36	01:14:46	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	उच्च राशि
शनि			मीन	07:36:25	00:07:11	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	सम राशि
राहु			कुंभ	14:45:27	00:00:04	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:45:27	00:00:04	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:31:39	00:01:20	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:51:06	00:02:10	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:19:59	00:01:36	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कन्या	28:29:55	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:28

लग्न-चलित

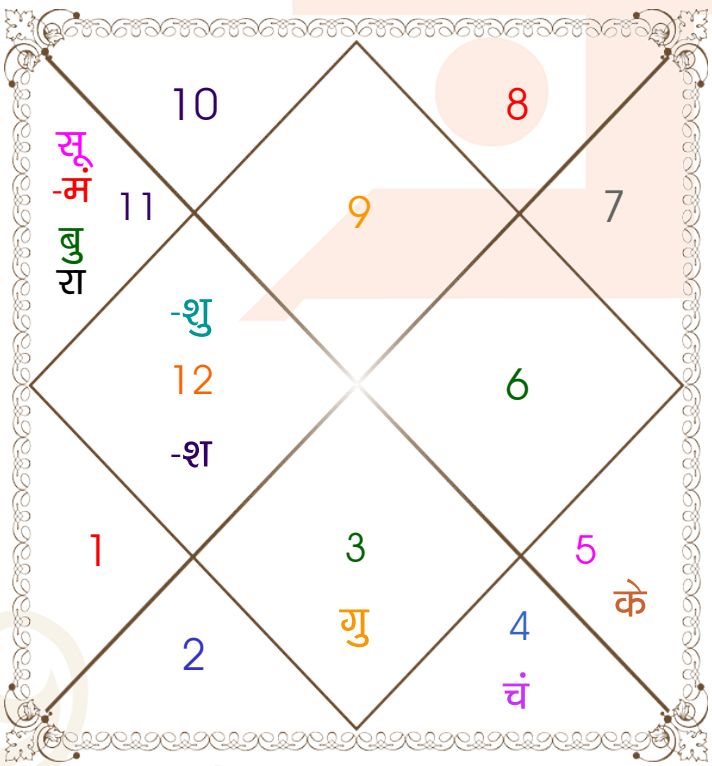

चन्द्र कुंडली

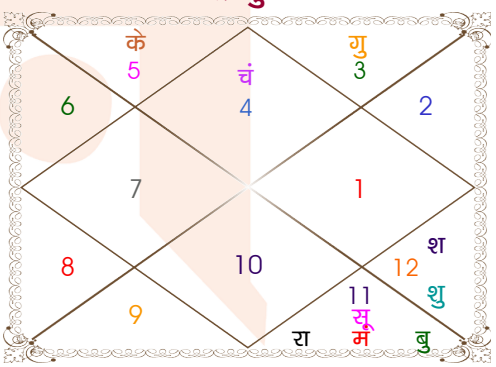

नवमांश कुंडली

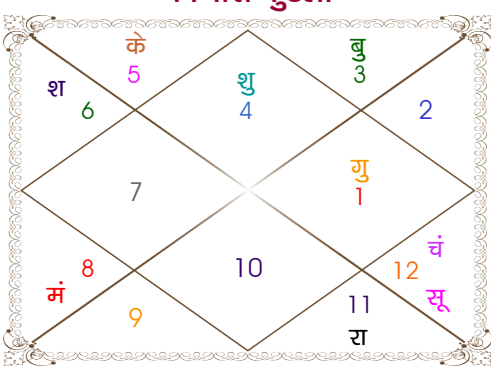

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 3 वर्ष 5 मास 21 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
02/03/2026		22/08/2029		22/08/2036		22/08/2056		23/08/2062	
22/08/2029		22/08/2036		22/08/2056		23/08/2062		22/08/2072	
	00/00/0000	केतु	19/01/2030	शुक्र	23/12/2039	सूर्य	10/12/2056	चंद्र	23/06/2063
	00/00/0000	शुक्र	21/03/2031	सूर्य	22/12/2040	चंद्र	10/06/2057	मंगल	22/01/2064
	00/00/0000	सूर्य	26/07/2031	चंद्र	23/08/2042	मंगल	16/10/2057	राहु	23/07/2065
	00/00/0000	चंद्र	25/02/2032	मंगल	23/10/2043	राहु	10/09/2058	गुरु	22/11/2066
	00/00/0000	मंगल	23/07/2032	राहु	22/10/2046	गुरु	29/06/2059	शनि	22/06/2068
	00/00/0000	राहु	10/08/2033	गुरु	22/06/2049	शनि	10/06/2060	बुध	22/11/2069
	02/03/2026	गुरु	17/07/2034	शनि	22/08/2052	बुध	17/04/2061	केतु	23/06/2070
गुरु	13/12/2026	शनि	26/08/2035	बुध	23/06/2055	केतु	22/08/2061	शुक्र	21/02/2072
शनि	22/08/2029	बुध	22/08/2036	केतु	22/08/2056	शुक्र	23/08/2062	सूर्य	22/08/2072

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
22/08/2072		23/08/2079		22/08/2097		23/08/2113		23/08/2132	
23/08/2079		22/08/2097		23/08/2113		23/08/2132		00/00/0000	
मंगल	18/01/2073	राहु	05/05/2082	गुरु	11/10/2099	शनि	26/08/2116	बुध	20/01/2135
राहु	06/02/2074	गुरु	28/09/2084	शनि	24/04/2102	बुध	06/05/2119	केतु	17/01/2136
गुरु	13/01/2075	शनि	05/08/2087	बुध	30/07/2104	केतु	14/06/2120	शुक्र	17/11/2138
शनि	21/02/2076	बुध	21/02/2090	केतु	06/07/2105	शुक्र	15/08/2123	सूर्य	23/09/2139
बुध	18/02/2077	केतु	12/03/2091	शुक्र	06/03/2108	सूर्य	27/07/2124	चंद्र	22/02/2141
केतु	17/07/2077	शुक्र	11/03/2094	सूर्य	23/12/2108	चंद्र	25/02/2126	मंगल	19/02/2142
शुक्र	16/09/2078	सूर्य	03/02/2095	चंद्र	24/04/2110	मंगल	06/04/2127	राहु	07/09/2144
सूर्य	22/01/2079	चंद्र	04/08/2096	मंगल	31/03/2111	राहु	10/02/2130	गुरु	03/03/2146
चंद्र	23/08/2079	मंगल	22/08/2097	राहु	23/08/2113	गुरु	23/08/2132		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 3 वर्ष 5 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।